मध्य प्रदेश शासन

राज्य आनंद संस्थान

अध्यात्म विभाग मंत्रालय

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19

राज्य आनंद संस्थान, माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर,
शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) – 462011, **दूरभाष :** + 91-755-2553434
ई- मेल: anandsansthanmp@gmail.com, वेबसाईट : anandsansthanmp.in

राज्य आनंद संस्थान

अध्यात्म विभाग मंत्रालय

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

विषय सूची

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
1	**अध्याय - 1**	
	संस्थान संबंधी सामान्य जानकारी	
	1.1. संस्थान का गठन	1
	1.2 संस्थान के उद्देश्य	1
	1.3 संस्थान की कार्यप्रणाली	2
	1.4 संस्थान का अमला	2
	1.5 संस्थान की वेबसाइट	2
2	**अध्याय - 2**	
	वर्ष 2018-19 के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां	
	2.1 आनंदक	3
	2.2 अल्पविराम	3
	2.3 आनंदम	5
	2.4 आनंद उत्सव	5
	2.5 आनंद कैलेण्डर	6
	2.6 आनंद क्लब	7
	2.7 आनंद सभा	8
	2.8 आनंद शिविर	9
	2.9 आनंद रिसर्च फैलोशिप	10
	2.9.1 आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट	10
	2.9.2 आनंद अनुसंधान फैलोशिप	10
	2.9.3 आनंद डॉक्टोरल फैलोशिप	10

स.क्र.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक
	2.10 हैप्पीनेस इण्डेक्स	10
	2.11 ऑनलाईन वीडियो कोर्स	11
	2.12 आनंद ग्राम एवं आनंद बस्ती	11
	2.13 सहयोग एवं अनुदान	12
3	**अध्याय - 3**	
	संस्थान में नियुक्तियां	13
	संस्थान से सेवा मुक्ति	13
4	**अध्याय - 4**	
	वित्तीय प्रतिवेदन 2018-19	
	प्राप्तियां	14
	व्यय	14
5	**अध्याय - 5**	6
	संस्थान की विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी	15
6	**परिशिष्ठ**	
	परिशिष्ठ - 1: राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा	16
	परिशिष्ठ - 2 : राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति	17
	परिशिष्ठ - 3: संस्थान अमला	18

अध्याय – 1

संस्थान संबंधी सामान्य जानकारी

1.1 संस्थान का गठन

नागरिकों की खुशहाली एवं परिपूर्ण जीवन के लिए आंतरिक तथा बाह्य सकुशलता आवश्यक है। सिर्फ भौतिक प्रगति व सुविधाओं से प्रसन्न रहना संभव नहीं है। राज्य का पूर्ण विकास नागरिकों की मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक उन्नति तथा प्रसन्नता से ही संभव है । अत: नागरिकों को ऐसी विधियां तथा उपकरण उपलब्ध कराने होंगे, जो उनके लिए आनंद का कारक बनें। विकास का मापदण्ड मूल्य आधारित होने के साथ-साथ नागरिकों के आनंद ज्ञात करने वाला भी होना चाहिए। इस अवधारणा को साकार करने के लिए भौतिक प्रगति के पैमाने से आगे बढ़कर आनंद के मापकों को भी समझा जाए तथा उनको बढाने के लिए सुसंगत प्रयास किए जावे। इस उदद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आनंद संस्थान का गठन अगस्त 2016 में किया गया था। यह संस्थान, मध्यप्रदेश शासन के अध्यात्म विभाग अर्न्तगत संचालित है।

1.2 संस्थान के उद्देश्य

संस्थान के मुख्य उद्देश्य निम्नानुसार है :-

- आनंद एवं सकुशलता को मापनें के पैमानों की पहचान करना तथा उन्हें परिभाषित करना।
- राज्य में आनंद का प्रसार बढाने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करना।
- आनंद की अवधारणा संबंधी नियोजन नीति का क्रियान्वयन ।
- आनंद की अनुभुति के लिये एक्शनप्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण ।
- निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मन:स्थिति का आंकलन करना ।
- आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना ।
- आनंद के प्रसार के माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना ।
- आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करना ।
- विभाग द्वारा सौपे गये अन्य कार्य ।

1.3 संस्थान की कार्यप्रणाली

राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 के अधीन पंजीकृत एक स्वशासी संस्था है। संस्थान की गतिविधियों का संचालन सामान्य सभा एवं कार्यकारिणी समिति के माध्यम से किया जाता है। संस्थान की सामान्य सभा के अध्यक्ष माननीय मुख्य मंत्री जी एवं संस्थान की कार्यपालन समिति के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, अध्यात्म विभाग है। राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा का विस्तृत विवरण परिशिष्ठ -1 व कार्यपालन समिति की जानकारी परिशिष्ठ -2 पर दिया गया है।

1.4 संस्थान का अमला

राज्य आनंद संस्थान के कार्यो के निष्पादन हेतु 28 पद स्वीकृत है। इन 28 स्वीकृत पदों के विरूद्ध वर्तमान में 13 अधिकारी/ कर्मचारी कार्यरत है। शेष रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया जारी है। संस्थान के अधिकारी/ कर्मचारी संरचना का विस्तृत विवरण परिशिष्ठ -3 पर दिया गया है।

1.5 संस्थान की वेबसाइट www.anandsansthanmp.in

राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट 8 नवंबर, 2016 को लांच की गई। इस वेबसाइट के माध्यम से संस्थान द्वारा अपने विभिन्न कार्यक्रमों जैसे अल्पविराम, आनंद उत्सव, आनंदम, आनंद कैलेण्डर, आनंद क्लब, आनंद सभा, आनंद शिविर आदि को आमजन तक पहुँचाने तथा इसमें उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

----------00----------

अध्याय - 2
वर्ष 2018-19 के प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियां

राज्य आनंद संस्थान के वर्ष 2018-19 के प्रमुख कार्यक्रम/ गतिविधियां निम्नानुसार है :-

2.1 आनंदक

संस्थान के कार्यो में सहयोग करने वाले ऐसे स्वयंसेवी कार्यकर्ता है, जो नि:शुल्क एवं स्वैछिक रूप से अपने अन्य सामान्य कार्यकलापों के अतिरिक्त राज्य आनंद संस्थान की गतिविधियाँ करने के लिए स्वप्रेरणा से तैयार हैं, को 'आनंदक' नाम से सम्बोधित किया गया है। आनंदकों से संस्थान यह अपेक्षा करता है कि वे अपने कर्तव्य तथा विचारों से दूसरों के लिए सकारात्मक उदाहरण बन सके तथा अन्य व्यक्तियों को भी आनंद संस्थान की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। यदि कोई शासकीय सेवक आनंदक के रूप में आनंद संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित होता है तो उसकी उपस्थिति को शासकीय कार्य के रूप में माना गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये है।

कोई भी व्यक्ति "आनंदक" के रूप में पंजीकृत होने के लिये राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट **www.anandsansthanmp.in** का उपयोग कर सकता है। अब तक 49000 से अधिक आनंदक स्वैच्छा से स्वयंसेवक के रूप में जुड़ चुके हैं।

2.2 अल्पविराम

'अल्पविराम' आनंद संस्थान द्वारा संचालित एक ऐसी गतिविधि है जिसके माध्यम से शासकीय अधिकारियों/कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक सोच का विकास किया जा सकेगा। सकारात्मक सोच का लोक सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन तथा प्रदाय से सीधा संबंध है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रशासनिक अधिकारियों/कर्मचारियों का दृष्टिकोण जीवन पूर्णता की मौलिक समझ पकी परिर आधारित हो।

अल्पविराम शांत समय में अंतरात्मा की आवाज को सुनने का एक अभ्यास है, जो सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रक्रिया को दृढ़ बनाता है यह एक प्रकार का अल्पविराम है, जिसके माध्यम से हम स्वयं अपने जीवन से दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त कर

सकते हैं शासकीय सेवक यदि स्वयं आनंदित हैं तो वह दूसरों को भी आनंदित रहने का मार्ग प्रशस्त कर सकेगा

राज्य आनंद संस्थान द्वारा आईओएफसी के साथ निष्पादित एमओयू के अंतर्गत 4 मास्टर्स ट्रेनर्स की सेवाएं ली जा रही है। ये मास्टर्स ट्रेनर्स प्रदेश के जिलों, शासन के विभागाध्यक्ष कार्यालयों, तथा राज्य आनंद संस्थान में होने वाले अल्पविराम कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करने तथा जिलों के आनंदम सहयोगी, आनंदकों तथा नोडल अधिकारियों से सतत् संपर्क में रहकर उन्हे सहयोग प्रदान करने का कार्य कर रहे है।

अल्पविराम गतिविधि के अंतर्गत संस्थान का यह प्रयास भी है कि ऐसे स्वयंसेवक (आनंदम सहयोगी) तैयार किया जाए, जो कार्यालयों में सकारात्मक जीवन शैली अपनाने की आवश्यक विधियॉ उपलब्ध करा सके। आनंदम सहयोगी अशासकीय व्यक्ति अथवा शासकीय सेवक हो सकते हैं।

संस्थान द्वारा अब तक 16 आनंदम सहयोगियों को अल्पविराम गतिविधि के संचालन हेतु चयनित कर महाराष्ट्र के पंचगनी स्थित Initiative of Change संस्था के प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान द्वारा अल्पविराम प्रशिक्षण के लिए 'अल्पविराम प्रशिक्षण पुस्तिका' को तैयार किया गया। इन प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों द्वारा अपने अपने जिले में कलेक्टर कार्यालय एवं विभिन्न शासकीय कार्यालयों में अल्पविराम कार्यक्रम का आयोजन नियमित अंतराल में किया जा रहा है।

संस्थान के कार्यालय भवन भोपाल के प्रशिक्षण हॉल में प्रत्येक माह के प्रथम एवं चतुर्थ शनिवार को शासकीय सेवकों/अशासकीय व्यक्तियों के लिए एक दिवसीय अल्पविराम प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। इनके अलावा प्रशिक्षित आनंदम सहयोगियों, डिस्ट्रीक्ट प्रोग्राम लीडर्स के माध्यम से प्रदेश के जिला कार्यालयों में अल्पविराम सत्र का आयोजन किया जाता है ।

वर्ष 2018-19 में अल्पविराम कार्यक्रम के तहत संचालित प्रशिक्षण सत्रों का विवरण इस प्रकार से है :-

क्रमांक	कार्यक्रम	कुल आयोजन	कुल प्रतिभागी संख्या
1	संस्थान कार्यालय में पाक्षिक अल्पविराम	19	357
2	जिला कार्यालयों में अल्पविराम सत्र	609	35434
3	एक दिवसीय अल्पविराम परिचय	40	1882
4	आनंदम सहयोगी	4	124

2.3 आनंदम

इस गतिविधि के अंतर्गत उपयुक्त सार्वजनिक जगहों पर एक उपयुक्त स्थल का चयन कर, न्यूनतम सुविधा को विकसित करते हुए आमजन को उनके घरों में उपलब्ध अनुपयुक्त अथवा आवश्यकता से अधिक उपयोगी सामान को छोड़ने तथा उस सामान की जिसे जरूरत हो, वहॉ से नि:शुल्क तथा बिना किसी से पूछे ले जाने की स्वतंत्रता होती है। इस गतिविधि का स्वंयसेवी संस्थाओं के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जरूरत मंदों को उनकी आवश्यकता का समान उपलब्ध करवाना तथा सामग्री प्रदायकर्ता को JOY OF GIVING का अनुभव कराना है।

वर्तमान में प्रदेश के 51 जिलों में कुल 165 निर्धारित स्थानों पर आनंदम गतिविधि चल रही है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा इस गतिविधी का पर्यवेक्षण मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से किया जा रहा है।

2.4 आनंद उत्सव

लोक संगीत, नृत्य, गायन, भजन कीर्तन, नाटक तथा खेलकूद की गतिविधियां परिपूर्ण जीवन की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस मान्यता के आधार पर आनंद उत्सव की परिकल्पना की गई है। आनंद संस्थान द्वारा आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन प्रत्येक वर्ष 14 जनवरी से मनाने का निर्णय लिया गया है।

''आनंद उत्सव 2019'' का आयोजन दिनांक 14 जनवरी से 28 जनवरी 2019 के बीच किया गया । इस वर्ष कुल 2559 स्थानों पर आनंद उत्सव आयोजित किये जाने की रिर्पोट

संस्थान को प्राप्त हुई है, जिसमें से ग्रामीण क्षेत्र में 2012 कार्यक्रम, नगरीय क्षेत्र में 476 कार्यक्रम, विकासखण्ड स्तर पर 64 कार्यक्रम एवं जिला स्तर पर 07 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में आयोजित आनंद उत्सव के आयोजनों में से चयनित श्रेष्ठ आयोजनों को जिला स्तर पर पुरस्कृत किया जा रहा है । साथ ही इन आयोजनों के दौरान लिए गए उत्कृष्ट फोटो एवं वीडियो को पुरस्कृत करने हेतु आमजन के लिए एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के अंतर्गत उत्कृष्ट फोटो एवं वीडियो के लिए प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमश: राशि रूपये 25000/-, 15000/- तथा 10,000/- पुरस्कार के रूप में प्रदान करने की प्रावधान रखा गया है । उत्कृष्ट फोटो एवं वीडियों के लिए संस्थान को प्राप्त प्रविष्टियों में से चयन समिति द्वारा प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों का चयन कर लिया गया है । इन्हें पुरस्कार राशि प्रदान करने की प्रक्रिया जारी है ।

2.5 <u>आनंद कैलेण्डर</u>

संस्थान द्वारा "आनंद कैलेण्डर" तैयार किया गया है। यह कैलेण्डर जीवन मे सकारात्मक सोच को विकसित करते हुये आन्तरिक प्रसन्नता एवं आनंद की अनुभूति को प्राप्त करने का रास्ता दिखाता है।

आनंद कैलेण्डर में प्रत्येक माह के लिये एक विषय निर्धारित करते हुये उस विषय से जुडी कुछ गतिविधियां सुझाव के तौर पर दी गई है। इन गतिविधियों का अभ्यास करने का तरीका कैलेण्डर में दिया गया है। प्रत्येक माह मे दी गई गतिविधियों का रोज अभ्यास करना अपेक्षित है। आनंद कैलेण्डर में अप्रैल से दिसम्बर तक कृतज्ञता, खेल, अल्पविराम, मदद, सीखना, संबंध, स्वीकार्यता, लक्ष्य, जागरूकता, जैसे विषयों को लिया जाकर अंतिम तीन माहों में आनंद की उपरोक्त 9 धाराओं के संगम के लिए निरंतर अभ्यास करने हेतु अनुरोध किया गया है।

यह कैलेण्डर हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित किया गया है। इच्छुक व्यक्ति "आनंद कैलेण्डर" लागत मूल्य पर संस्थान से प्राप्त कर सकते है।

कैलेण्डर उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिये इसे राज्य आनंद संस्थान की वेबसाइट से नि:शुल्क डाअनलोड करने की सुविधा भी प्रदान की गई है। साथ ही आनंद कैलेण्डर के

उपयोग के दौरान उनके अनुभवों तथा टिप्पडियों को दर्ज करने की सुविधा भी संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है ।

आनंद कैलेण्डर के सहज उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इसे मोबाईल पर भी उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए राज्य आनंद संस्थान ने मोबाईल एप्प तैयार करके गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड करने की सुविधा दी है। इस मोबाईल एप्प को डाउनलोड करके कोई भी आनंदक अपने लिए विशिष्ट आनंद कैलेण्डर बना सकता है और उसके द्वारा की गई गतिविधियों को उसमें दर्ज भी कर सकता है।

2.6 आनंद क्लब

परिपूर्ण एवं आनंदमयी जीवन जीने के लिए विगत कुछ दशकों में ''साईंस आफ हैप्पीनेस'' के क्षेत्र में बहुत प्रगति हुई है। भारतीय संस्कृति तथा दर्शन में भी आनंदमयी जीवन जीने के अनेक उपकरण उपलब्ध हैं। बहुत से व्यक्ति निजी स्तर पर अथवा संस्थागत रूप से ऐसी गतिविधियां संचालित करते हैं, जिनसे समाज में सकारत्मकता तथा आनंद का प्रसार होता है। यह आवश्यक है कि ऐसे प्रयासों को एक संगठित रूप दिया जाए। यह भी सर्वविदित है कि भले ही प्रसन्नचित रहना हम सभी की जरूरत है, परन्तु इसके लिए क्या करना चाहिए, इसकी स्पष्ट रूप से जानकारी नहीं होती। ''आनंद क्लब'' के माध्यम से प्रसन्नचित रहने के कौशल को सभी वर्गों तक पहुंचाने का काम किया जा सकेगा।

''आनंद क्लब'' की परिकल्पना इस विचार पर आधारित है कि समाज में स्वयंसवेकों के समूह आनंदमयी जीवन जीने का कौशल पहले खुद सीखें, उसे अपने जीवन में उतारे और फिर उसका प्रसार अपने पड़ोस में करें। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने का इच्छुक हैं तो वे आनंद क्लब गठित करने की योग्यता रखते हैं। कोई भी व्यक्ति जो आनंदक के रूप में पंजीकृत है, वह अपने साथ चार अन्य वक्तियों को जोड़कर क्लब का गठन कर सकता है। इस प्रकार कुल 5 इच्छुक व्यक्ति मिलकर क्लब का गठन कर सकेंगे।

राज्य आनंद संस्थान आनंद क्लब का अपनी वेबसाइट **www.anandsansthanmp.in** पर पंजीयन कर उनके द्वारा किये गये सकारात्मक कार्यों का प्रचार प्रसार कर रहा है, जिससे

समाज में सकारात्मकता का संदेश फैले। इसी के साथ संस्थान पंजीकृत क्लब के सदस्यों को प्रशिक्षण तथा अध्ययन सामग्री आनलाईन उपलब्ध करा रहा है, जिससे वे दुनियाभर में आनंद के क्षेत्र में हो रहे नवाचरों व कार्यों से परिचित होकर अपने क्लब की गतिविधियों को और बेहतर कर सकें।

मध्यप्रदेश में 368 आनंद क्लबों द्वारा अपना पंजीयन कराकर कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

अल्पविराम सह-आनंद क्लब कार्यशाला का आयोजन 3 से 5 मई 2018 को भोपाल में किया गया। इस कार्यशाला में मध्य प्रदेश के 22 जिलो से 60 आनंद क्लबों के 149 प्रतिभागी उपस्थित हुए। इसी प्रकार दिनांक 16 से 18 जुलाई 2018 के मध्य दूसरी अल्पविराम सह आनंद क्लब कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के 22 आनंद क्लबों के 122 सदस्यों ने सहभागिता की।

आनंद क्लबों के लिए भविष्य की कार्ययोजना एवं रणनीति का निर्धारण करने के उद्देश्य से अल्पविराम सह-आनंद क्लब कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत आनंद क्लब सदस्यों को अल्पविराम कार्यक्रम का परिचय देते हुए अपने अंत:करण की आवाज सुनने व उसके अनुरूप अभ्यास के लिए प्रेरित करना एवं विभिन्न जिलों से आये आनंद क्लब सदस्यों का आपस में परिचय कराते हुए विभिन्न जिलों में चल रहे आनंद विषयक सकारात्मक प्रयासों के बारे में उन्हें अवगत कराना आदि मुख्य बिंदु रहे।

2.7 आनंद सभा

स्कूलीय छात्रों को सशक्त एवं परिपूर्ण जीवन कला सिखाने तथा आंतरिक क्षमता विकसित करने के लिए आनंद सभा कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। शैक्षणिक संस्थाओं को ऐसे मॉड्यूल उपलब्ध कराये जावेंगे जिनके अनुसार विद्यार्थी ऐसी क्रियाओं में भाग लेंगे, जो उनके जीवन में संतुलन लाने में सहायक होंगे।

वर्ष 2018-19 के दौरान आनंद सभा के संचालन के लिये संस्थान द्वारा शिक्षकों हेतु एक मॉड्यूल तैयार किया गया। इस मॉड्युल में देने का सुख, क्षमा करने की शक्ति, क्षमा मांगने की शक्ति, कृतज्ञता की शक्ति, दूसरों में अच्छाई देखने, स्वीकार्यता का महत्व, ध्यान

की शक्ति, संकल्प की शक्ति, दृष्टिकोण का महत्व, चिन्ता का कोई लाभ नहीं एवं आत्मविश्वास से संबंधित 11 सत्रों को शामिल किया गया है ।

आनंद सभा के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों को उपरोक्तानुसार चयनित 11 विषयों पर अलग-अलग गतिविधियों, खेल एवं कहानियों के माध्यम से आनंद सभा का संचालन किया जावेगा ।

आनंद सभा की गतिविधियों का संचालन इस कार्य हेतु इच्छुक शिक्षकों द्वारा आगामी शैक्षणिक सत्र से किया जावेगा । इच्छुक शिक्षक इस कार्यक्रम के संचालन हेतु संस्थान की वेबसाइट पर ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कर सकते है। पंजीकृत शिक्षकों को संस्थान द्वारा इस कार्य हेतु प्रशिक्षित किया जावेगा । राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश शासन के लोक शिक्षण संचालनालय के साथ मिलकर आगामी सत्र से प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में आनंद सभा के नियमित संचालन की दिशा में कार्यवाही कर रहा है ।

2.8 <u>आनंद शिविर</u>

शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाने तथा उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए राज्य आनंद संस्थान द्वारा ''आनंद शिविर'' आयोजित किये जा रहे है। राज्य आनंद संस्थान द्वारा वर्तमान में तीन संस्थानों- 1. आर्ट ऑफ लिर्विंग, बैंगलुरू 2. एनिशिएटिव ऑफ चेंज, पुणे तथा 3. ईशा फाउण्डेशन, कोयम्बटूर से इस हेतु एमओयू किया गया है।

उक्त संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण में शासकीय सेवकों के प्रशिक्षण शुल्क तथा टी.ए. की प्रतिपूर्ति संबंधित विभाग द्वारा की जावेगी। इन शिविरों में भाग लेने वाले शासकीय सेवकों द्वारा संस्थान की वेबसाईट पर रूपये 500/- शुल्क जमा कर पंजीयन किया जाता है।

शासकीय सेवक से संबंधित पति अथवा पत्नी जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनके शिविर में भाग लेने पर उनका पंजीयन तथा प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर सीधे राज्य आनंद संस्थान के कोष में जमा कराया जाता है। इसी प्रकार निगम/मंडल/बोर्ड आदि के कर्मचारियों द्वारा स्वयं का और उनके पति अथवा पत्नी जो शासकीय सेवा में नहीं है, उनका पंजीयन एवं प्रशिक्षण शुल्क राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट पर भुगतान किया जाता है। इस प्रकार राज्य आनंद संस्थान को प्रशिक्षणार्थियों से

प्राप्त समस्त राशि का समेकित भुगतान आनंद शिविर अयोजित करने वाले संबंधित संस्थान को कर दिया जाता है।

तीनों संस्थाओं द्वारा आयोजित किये जाने वाले शिविरों का कैलेण्डर, संस्थान की वेबसाईट www.anandsansthanmp.in पर उपलब्ध कराया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2018-19 में कुल 6 शिविर आयोजित किए गए जिसमें प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के 197 प्रतिभागियों ने भागीदारी की।

2.9 आनंद रिसर्च फैलोशिप

प्रदेश के शिक्षण एवं शोध संस्थानो में आनंद के विषय पर अध्ययन, शोध/अनुसंधान करने के लिए 1.आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट 2.आनंद अनुसंधान फैलोशिप तथा 3.आनंद डॉक्टोरल फैलोशिप कार्यक्रम आरंभ किये जा रहे है।

2.9.1 **आनंद अनुसंधान प्रोजेक्ट**- इसका उद्देश्य आनंद एवं खुशहाली के विषय पर उच्च स्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान बढ़ाने के लिए प्रोजेक्ट तथा इस हेतु प्रभावी उपकरण और तकनीकों पर अनुसंधान करना है। प्रोजेक्ट की अवधि 3 वर्ष की होकर प्रत्येक अनुसंधान प्रोजेक्ट के लिए अधिकतम रूपये 10 लाख का प्रावधान रखा गया है। एक वर्ष में अधिकतम 5 प्रोजेक्ट स्वीकृत किये जायेंगे।

2.9.2 **आनंद अनुसंधान फैलोशिप**– इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर एक्शन रिसर्च एवं प्रोजेक्ट वर्क को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि अधिकतम 2 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को अधिकतम रूपये 5 लाख की सहायता प्रदान की जायेगी। एक समय पर 5 से अधिक फैलोशिप लाईव नहीं होगी।

2.9.3 **आनंद डॉक्टोरल फैलोशिप**– इसका उद्देश्य प्रदेश में आनंद एवं खुशहाली के विषय पर डॉक्टोरल रिसर्च को प्रोत्साहित करना है। इसकी अवधि 3 वर्ष की होगी। इसके अंतर्गत चयनित व्यक्ति को प्रतिवर्ष रूपये 3 लाख तक की सहायता प्रदान की जायेगी। वर्ष में अधिकतम 5 डॉक्टोरल फैलोशिप स्वीकृत किये जायेंगे।

उपरोक्त के लिए इच्छुक आवेदक राज्य आनंद संस्थान की वेबसाईट के माध्यम से आवेदन कर सकते है।

2.10 हैप्पीनेस इंडेक्स

राज्य में नागरिकों के जीवन में आनंद के स्तर को मापने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण करने का शासन द्वारा निर्णय लिया गया है। यह सर्वेक्षण आन्तरिक तथा बाह्य सकुशलता आंकने का कार्यक्रम होगा, जिसे अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित व मान्य उत्कृष्ट विधियों के आधार पर तैयार किया जायेगा। राज्य आनंद संस्थान ने आईआईटी खड़गपुर के साथ अनुबंध किया है जिसके अंतर्गत वह आनंद के लिए पैमानों की पहचान, लोगो को आनंदित करने की विधियों व उपकरणों का विकास करेंगे। हैप्पीनेस इंडेक्स की गणना के लिए आईआईटी खड़गपुर द्वारा प्रदेश के 10 जिलों के 3-3 सर्वेयर को प्रशिक्षित कर प्राथमिक सर्वे

कार्य किया गया है। इस सर्वे के आधार पर विस्तृत प्रश्नावली एवं इंडीकेटर्स तैयार किये जा रहे है ।

आई.आई.टी. खड़गपुर के साथ मिलकर संस्थान द्वारा हैप्पीनेस इंडेक्स हेतु आवश्यक प्रश्नावली तैयार कर ली गयी है तथा शीघ्र ही पायलेट सर्वे का कार्य शुरू किया जाना है ।

2.11 <u>ऑनलाईन वीडियो कोर्स</u>

हैदराबाद स्थित इंडियन स्कूल आफ बिज़नेस (आई.एस.बी.) द्वारा "A life of happiness and fulfilment" विषय पर चलाये जा रहे वीडियो कोर्स को मध्यप्रदेश में भी चलाये जाने के संबंध में आनंद संस्थान द्वारा पहल की गई हैं। अमेरिका की टेक्सास यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर श्री राज रघुनाथन द्वारा अंग्रेजी में विकसित किये गये इस पाठ्यक्रम में विविध क्षेत्र जैसे साईक्लोजी, न्यूरोसांइस तथा बिहैवीरल डिसिज़न थ्योरी के माध्यम से व्यवहारिक तथा जांची परखी हुई विधियों के माध्यम से जीवन मे खुशहाली व आनंद को प्राप्त करने की विधि बहुत ही सरल भाषा में बताई गई है।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा उपरोक्त वीडियो कोर्स को हिन्दी में अनुवाद करने तथा अपने नागरिकों को भी इस कोर्स का लाभ देने के लिए आईएसबी, हैदराबाद के साथ एक एमओयू निष्पादित किया गया है ।

संस्थान द्वारा इस वीडियों कोर्स का हिन्दी में अनुवाद कराया जाकर इसके हिन्दी में रूपांतरण (voice over) करने का कार्य किया जा रहा है।

2.12 <u>आनंद ग्राम एवं आनंद बस्ती</u>

राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश के विभिन्न भागों में ग्रामों का चयन किया जा रहा है जिसमें आनंद संस्थान की गतिविधियों को समग्र रूप से संचालित किया जाएगा। ऐसे ग्राम में विद्यालय के छात्रों के लिए आनंद सभा संचालित की जाएगी। इस ग्राम में आनंद क्लब का गठन किया जायेगा, आनंद कैलेण्डर का उपयोग, आनंद उत्सव, तथा अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। ग्रामवासियों में से ही योग्य ग्रामवासियों को आनंदम सहयोगी के रूप में प्रशिक्षित किया जायेगा।

ग्राम में आनंद गतिविधियों के संचालन के सकारात्मक परिणाम मिलेगे तो ऐसे ग्राम को "Centre for happiness" के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि वहां से यह गतिविधियां आसपास के ग्रामों में भी वालेंटियर के माध्यम से पहुंचाई जा सके।

आनंद ग्राम की ही तरह राज्य आनंद संस्थान भोपाल शहर के एक मलिन बस्ती को आनंद बस्ती के तौर पर विकसित किया जा रहा है । इस बस्ती में युवकों, बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों के अलग-अलग समूह बनाकर उनके साथ राज्य आनंद संस्थान में प्रचलित आनंद के टूल का प्रयोग किया जावेगा, जिसमें अल्पविराम, आनंद सभा, आनंद क्लब जैसे कार्यक्रम शामिल होगें । आनंद बस्ती में आनंदम केन्द्र संचालित किया जावेगा । साथ ही बस्ती के

बच्चों के साथ आनंद सभा का आयोजन होगा। इस कार्य में स्थानीय आनंदकों व स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जा सकता है। भोपाल के अर्जुन नगर बस्ती का चयन इस कार्य हेतु किया गया है। इस बस्ती में हमारे आनंदकों द्वारा निरंतर संपर्क किया जा रहा है। आगामी वर्ष में आनंद बस्ती का स्वरूप क्रियाशील रूप में आ सकेगा।

2.13 सहयोग एवं अनुदान

स्थानीय स्तर पर आनंद के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए रेखी फॉउण्डेशन फॉर हैप्पीनेस की ओर से संस्थान के साथ एक लाख डालर का सहयोग देने हेतु एमओयू हुआ है, जिसके अंतर्गत राज्य आनंद संस्थान में रेखी सेंटर फॉर हैप्पीनेस के नाम से एक चेयर स्थापित की जावेगी। रेखी सेंटर फॉर हैप्पीनेस के साथ चर्चा कर इस राशि के उपयोग की योजना बनाई जावेगी। फिलहाल इस सहयोग राशि से इजरायल स्थित मेटिव संस्था द्वारा प्रदेश के 25 स्कूल टीचर्स को Positive Psychology School Intervention Programme का प्रशिक्षण दिया गया है।

----------00----------

अध्याय – 3

संस्थान में नियुक्तियां

अधिकारी का नाम	पद	पदस्थापना	शैक्षणिक योग्यता
श्री अखिलेश अर्गल (IFS)	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	अक्टूबर-2018	BE (Civil), MSc (Forestry), MA (Public Admin)
डॉ. रूचिरा अग्रवाल	कार्यक्रम समन्वयक	अप्रैल -2018	PhD Management
श्री इन्द्रपाल सिंह	निदेशक	जुलाई-2018	M.A., L.L.B

संस्थान से सेवा मुक्ति

अधिकारी का नाम	पद	सेवा नियुक्ति	सेवा मुक्ति
श्री इकबाल सिंह बैंस	अध्यक्ष	सितम्बर-2016	फरवरी-2019
श्री मनोहर दुबे	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	सितम्बर-2016	मई-2018
श्री नीरज वशिष्ठ	निदेशक	सितम्बर-2016	दिसम्बर-2018
श्री संदीप दीक्षित	निदेशक	जनवरी-2017	अप्रैल-2018
श्री प्रवीण गंगराड़े	निदेशक	फरवरी-2017	फरवरी-2019
श्रीमती मेघा पाण्डे	उप-निदेशक	अप्रैल-2017	दिसम्बर-2017

----------00----------

अध्याय – 4
वित्तीय प्रतिवेदन 2018-19

(राशि लाख में)

- **प्राप्तियाँ :**
  - मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त अनुदान (मद - 002) - 138.37
  - मध्यप्रदेश शासन से प्राप्त अनुदान (मद - 004) - 312.75
  - अन्य प्राप्तियाँ - 78.62
  - कुल प्राप्तियाँ - 529.74

- **व्यय :**
  - व्यय (मद - 002) - 348.39
  - व्यय (मद - 004) - 169.97
  - कुल व्यय - 518.36

बचत राशि जो अगले वित्त वर्ष 2019-20 के लिये हस्तांतरित की गई 11.38

----------00----------

अध्याय – 5
संस्थान की विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी

1. श्री अखिलेश अर्गल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल में ''सूचना का अधिकार'' विषय पर आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रिसोर्स पर्सन के रूप में नियमित रूप से अपनी सेवाऐं दी है।

2. श्री अखिलेश अर्गल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा देहरादून, उत्तराखण्ड में भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा दिनांक 2 मार्च, 2019 को आयोजित "खुशहाली एवं आनंद- उत्पादकाता बढ़ाने के लिये अनिवार्य" समारोह के उद्घाटन सत्र में उद्धबोधन दिया एवं राज्य आनंद संस्थान में चल रहे कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

----------00----------

परिशिष्ठ - 1

राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा

राज्य आनंद संस्थान की सामान्य सभा में निम्नानुसार सदस्य है--

1. माननीय मुख्यमंत्री- अध्यक्ष
2. विभाग के भारसाधक मंत्री- उपाध्यक्ष
3. कार्यपालन समिति के अध्यक्ष- सदस्य
4. मुख्य सचिव, मध्य प्रदेश शासन- सदस्य
5. माननीय मंत्री योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य- सदस्य
6. योजना, खेल एवं युवा कल्याण, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, संस्कृति तथा स्वास्थ्य विभागों से संबंधित प्रमुख सचिव- सदस्य
7. अध्यक्ष व माननीय मुख्यमंत्री द्वारा नामांकित इक्कीस गैर शासकीय सदस्य जिन्होंने मानवीय आनंद और सकुशलता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया हो।
8. सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव

आवश्यक समझे जाने पर सामान्य सभा के अध्यक्ष, विषय के जानकार व्यक्तियों, विभागों के भारसाधक मंत्रीगण तथा अधिकारियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सकते हैं।

परिशिष्ठ -2

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति

राज्य आनंद संस्थान की कार्यपालन समिति में निम्नानुसार सदस्य है--

1. अध्यक्ष- राज्य शासन द्वारा नामांकित
2. मुख्य कार्यकारी अधिकारी- सदस्य सचिव
3. अध्यक्ष द्वारा 2 वर्ष के लिये नामांकित 3 अशासकीय सदस्य
4. प्रमुख सचिव, योजना/ खेल एवं युवा कल्याण/ स्कूल शिक्षा/ उच्च शिक्षा/ तकनीकी शिक्षा/ स्वास्थ्य/ संस्कृति विभाग – सदस्य
5. संस्थान के सेटअप में वर्णित निदेशकगण- पदेन सदस्य

परिशिष्ठ – 3

संस्थान का अमला

राज्य आनंद संस्थान हेतु निम्नानुसार अमला स्वीकृत है :-

क्र.	स्वीकृत पदनाम	पद संख्या	प्रशासनिक स्तर
1.	अध्यक्ष कार्यकारिणी समिति	1	अपर मुख्य सचिव
2.	मुख्य कार्यपालन अधिकारी	1	सचिव
3.	निदेशक- अनुसंधान / रा.का.अधि.	1	प्राध्यापक
4.	निदेशक- प्रशासन/रा.का.अधि.	1	उपसचिव
5.	निदेशक- कार्यक्रम/रा.का.अधि	2	उपसचिव
6.	निदेशक- हैप्पीनेस इंडेक्स/रा.का.अधि.	1	उपसचिव
7.	कार्यक्रम समन्वयक (प्रोग्राम)	2	उपसंचालक
8.	कार्यक्रम समन्वयक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	2	उपसंचालक
9.	कसंल्टेंट (रिसर्च/डाक्युमेंटेशन)	2	उपसंचालक
10.	कार्यक्रम सहायक (प्रोग्राम)	1	सहा.ग्रेड1
11.	कार्यक्रम सहायक (हैप्पीनेस इंडेक्स)	1	सहा.ग्रेड1
12.	अनुसंधान सहायक	1	सहा.ग्रेड1
13.	सहा.लेखा अधिकारी	1	सहा.ग्रेड1
14.	सहा.ग्रेड 1	2	सहा.ग्रेड1
15.	कंसल्टेंट (आईटी)	1	
16.	सहा. कंसल्टेंट (आईटी)	1	
17.	कार्यालय सहा. (मल्टी टास्क)	7	
	योग	28	

उक्त स्वीकृत पदों के विरूद्ध वर्तमान में 13 अधिकारी/ कर्मचारी कार्यरत है । शेष रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया जारी है ।